रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

नव वर्ष मंगलमय हो

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 46 ● अंक – 01 ● कानपुर 1 से 15 जनवरी 2024 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

2024 में प्रथम वरीयता

लक्ष्य को प्राप्त करने की होगी–डा0 इदरीसी

वर्ष 2012 से आज तक केवल इन्तेज़ार में ही बीत गया

वास्तविकता तो यह है कि आज भी स्थापित नहीं है इलेक्ट्रो होम्योपैथी

वर्ष 2024 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये जो लक्ष्य हमने निर्धारित किया है उसे हर हाल में पाना हमारी प्रथम प्राथमिकता होगी, इसके लिये चाहे जितने भी प्रयास मुझे व मेरे साथियों को करना पड़े वह सभी प्रयास हम सब मिलकर करेंगे वर्ष 2024 के लक्ष्य को प्राप्त करना ही हमारी प्रथम प्राथमिकता है, यह उदगार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसेसिएशन ऑफ इण्डिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष व बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0एच इदरीसी ने वर्ष 2023 में हुये कार्यों की समीक्षा बैठक में व्यक्त किये।

डा0 इदरीसी ने कहा कि वर्ष 2023 के लिये हमने जो लक्ष्य निर्धारित किये थे उन्हें पूरे तौर पर नहीं प्राप्त कर सके परन्तु संतोष इस बात का है कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिये पूरी ईमानदारी के साथ प्रयास किये, हम लक्ष्य के करीब तक पहुँचे और अब जो कुछ भी नहीं प्राप्त कर पाये वह वर्ष 2024 में अवश्य प्राप्त करेंगे, हम इस बात से संतुष्ट नहीं हो सकते कि जो कुछ भी मिला है वही काफी है अपितु हमारी संतुष्टि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति से ही होगी, डा0 इदरीसी ने कहा कि लक्ष्य तक हम क्यों नहीं पहुँच सके ? इस पर गंभीरता से चिन्तन किया जायेगा और जो कमियां हैं उन्हें दूर करने का प्रयास करेंगे, लक्ष्य की प्राप्ति में सभी का सहयोग आवश्यक है हमें अपने बोर्ड के साथियों का व कार्यकर्ताओं का अपेक्षित सहयोग प्राप्त हुआ है परन्तु चिकित्सकों के द्वारा जो सहयोग मिलना चाहिये वह नहीं मिल पा रहा है यह हमारे लिये चिन्ता का नहीं वरन विचारणीय विषय है क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आन्दोलन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के साथ–साथ इस विधा के चिकित्सकों को स्थापित करवाने के लिये ही है इसलिये जिसके लिये प्रयास किया जा रहे हैं उन्हीं की सहभागिता नहीं हो तो बात चिन्तन की बनती है, शासकीय स्तर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करवाने के लिये जो प्रयास बोर्ड द्वारा किये गये हैं उसमें अधिकांश में शत्–प्रतिशत सफलता प्राप्त हो चुकी है और जो एक आधे प्रकरण लाम्बित हैं उनका भी निस्तारण शीघ्र ही हो जायेगा चिकित्सकों के पंजीयन के विषय पर जो कार्यवाही हमें करनी थी हमने की, शासन का पूरा सहयोग मिला परन्तु इस विषय पर चिकित्सक अपनी उदासीनता नहीं छोड़ पाये, जिससे लड़ाई में वह धार नहीं आ पा रही है परन्तु इन छोटी–छोटी बातों से हम कदाचित विचलित नहीं होते हैं अपितु यह तो हमें लड़ाई की नई दिशा तय करने की ऊर्जा प्रदान करते हैं, शिक्षा के क्षेत्र में हमने गुणात्मक परिवर्तन का जो संकल्प लिया था उसे काफी हद तक प्रभावी बनाने का प्रयास किया है, मान्यता के लिये अन्य चिकित्सा पद्धतियों की भांति स्थापित मापदण्डों को फिलहाल लागू तो नहीं कर सकते हैं परन्तु उनके समकक्ष पहुँचने का प्रयास प्रारम्भ कर दिया है, पाठ्यक्रमों के उच्चीकरण का काम प्रारम्भ हो चुका है इसके लिये बोर्ड की पाठ्यक्रम समिति को दायित्व भी सौंपा जा चुका है, कुछ दिनों के अन्दर ही यह कमेटी अपनी रिपोर्ट हमें सौंप देगी, जिसपर प्रबन्ध समिति आवश्यक निर्णय लेगी, यह सारी बातें हमें कार्य करने की प्रेरणा देती हैं परेशानियां और समस्यायें तो आती ही रहती हैं और उनके

शेष पेज 2 पर

लक्ष्य पाना हमारी प्राथमिकता
हर स्तर पर किये जायेंगे प्रयास
अनिश्चितता का कोई स्थान नहीं
परिणाम से कम पर नहीं समझौता
चिकित्सकों का सम्मान ज़िन्दा रहेगा
आन्दोलन के स्वरुप को बदलना होगा
अब तक हुये निर्णयों की होगी समीक्षा

नया वर्ष

नई अकांक्षायें

नव वर्ष का आगमन हो चुका है और वर्ष 2024, 366 दिन साथ लेकर आया है, हम सभी हर वर्ष की भांति इस नये नवेले वर्ष का स्वागत भी कर चुके हैं, यह कोई नई बात नहीं है, प्रत्येक 365 दिवसों के बाद परिवर्तन होता रहा है, होता रहेगा और नये वर्ष इसी प्रकार आते–जाते रहेंगे, यह क्रम तबसे जारी है जबसे ईसा वर्ष प्रचलन में आया, नये वर्ष का आना–जाना इस बात का द्योतक होता है कि इन निश्चित 365 दिनों में जिसे हम वर्ष का नाम देते हैं अपनी प्राथमिकतायें तय करते हैं और उन्हीं बिन्दुओं पर कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में भी प्राथमिकतायें तय होती हैं, संकल्प लिये जाते हैं, समीक्षा की जाती है और परिणामों की प्रतीक्षा भी की जाती है, इस आने व जाने में हम अपनी उपलब्धियां भी देखते हैं, होना तो यह चाहिये कि जो कुछ भी हमें इस वर्ष किन्हीं कारणों से प्राप्त नहीं हुआ है वह इस नये वर्ष में प्राप्त हो जाये, देखा जाये तो गत वर्ष में हमें क्या नहीं मिला ! इस विषय पर हमें विचार नहीं करना चाहिये क्योंकि जो कुछ भी हमने इच्छा की है वह हमें मिल ही जाये यह आवश्यक नहीं होता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की विडम्बना है कि आज तक इच्छित वस्तु नहीं प्राप्त हो पाई है, इसके गुण–दोषों पर न जाकर केवल कार्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, जो वर्ष गुजर गया वह हमें कोई बहुत बड़ी उपलब्धि नहीं दे गया है परन्तु संतोष की बात यह है कि यदि लाभ नहीं हुआ तो हानि भी नहीं हुई।

दूसरे शब्दों में कहा जाये तो यही अर्थ निकल कर आता है कि वर्ष 2023 इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बड़ी शान्ति के साथ गुज़र गया, न कोई धमाका हुआ, न कोई गति अवरोध, किसी तरह से हम सब ने 365 दिनों की एक शान्त यात्रा और पार कर ली, परन्तु भविष्य को दृष्टिगत रखते हुये गुज़रे वर्ष से हमें यह सीख लेनी चाहिये कि बहुत अधिक खामोशी भी कभी–कभी ठीक नहीं हुआ करती है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी वह चिकित्सा पद्धति है जिसे स्थापित होने के लिये बहुत लम्बी यात्रा तय करनी है, इस यात्रा को पूर्ण करने में कई पड़ाव भी हमारे सामने आयेंगे इन पड़ावों को पार करते हुये ही हम सफ़लता का स्वाद चख सकते हैं, सफ़लता जब बहुत दिनों तक नहीं मिलती है तब निराशा का जन्म लेना स्वाभाविक है, अस्तु , किन्तु , परन्तु की भावना से ऊपर उठकर केवल कार्य के लिये कार्य करना होगा, वर्षों के आने व जाने का क्रम तब तक चलता रहेगा जब तक सृष्टि है लेकिन हमें यदि वास्तविक परिणामों की आवश्यकता है तो इस क्रम को तोड़ना ही होगा, अब प्रश्न यह उठता है कि यह निरन्तर चलने वाला क्रम को कैसे तोड़ा जाये ?

समय की गति और वर्ष की अवधि को तोड़ना तो हमारे वश में नहीं है परन्तु इस निश्चित अवधि में हमें अपनी खामोशी तो तोड़नी ही पड़ेगी यदि हम इस खामोशी को नहीं तोड़ पाते हैं तो अच्छे परिणामों की इच्छा करना बन्द कर दें, मात्र कामनाओं से काम नहीं हुआ करते हैं, कामनाओं की पूर्ति के लिये संकल्प बद्धता के साथ कार्य करने होंगे अन्यथः वर्ष पर वर्ष यूँही बीतते जायेंगे और परिणाम वही होंगे जो अभी तक आपके सामने आ रहे हैं, गतिशीलता नहीं होना ही हमारे स्थिरता का प्रतिबिम्ब है अन्य पद्धतियां कहाँ से कहाँ पहुँच गयीं और इलेक्ट्रो होम्योपैथी है जो अभी भी स्थापित होने के लिये संघर्षरत है, व्यवस्थाओं में तो कोई कमी नहीं है परन्तु जो हमारे प्रयास हैं वह इसलिये सफ़ल नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि हमारे प्रयासों में एकरुपता नहीं झलकती है, सदैव एक दूसरे के प्रति अविश्वास का भाव बना रहता है, श्रद्धा तो है परन्तु समर्पण की कमी है – संकल्प तो है परन्तु संकल्प साकार करने की भावना लुप्त है यही सब वह कारण हैं जो हमें फलीभूत नहीं होने देते हैं, निरन्तरता का जो आभाव है उसे दूर करना पड़ेगा, यह सबकुछ तभी सम्भव है जब हमारे मन में विशवास होगा, धीरे–धीरे हम सफ़लता के मार्ग पर प्रशस्त होंगे इसी भावना के साथ हमें स्वंय व अपने ईष्ट मित्रों को इस बात के लिये प्रेरित करना होगा कि सतत् प्रयासों से सफ़लता अवश्य मिलती है इसलिये गुज़री हुई बातों को भूलकर इस नये वर्ष में नई ऊर्जा, नई उमंग से लबरेज़ होकर एक नई पारी खेलने के लिये तैयार हो जायें। प्रति क्षण, प्रति पल कुछ न कुछ सदैव नया होता रहता है परन्तु यह नया तभी स्थिर रह पाता है जब हम संकल्पित भाव से कार्य करते हैं।

नव वर्ष आप सभी को मंगलमय हो।

प्रथम पेज से आगे

2024 में प्रथम प्राथमिकता

समाधान भी हमें ही खोजने होते हैं, मुझे नहीं समझ में आता है कि दुनिया में ऐसी कोई समस्या है जिसका समाधान न हुआ हो, वर्ष 2023 में आरोपों और प्रत्यारोपों का दौर भी चला लेकिन हम इन सबसे बेख़बर होते हुए अपने काम में लगे रहे हमारे कुछ साथियों ने बोर्ड की अधिकारिता पर ही प्रश्नचिन्ह लगाने का प्रयास किया हर तरह के कुचक्र रचे, कुटनीतिक चालें चलीं परन्तु सत्य कभी पराजित नहीं होता है, कष्ट अवश्य हुआ लेकिन जो परिणाम आये वह कुचक्र रचने वालों के मुहँ पर करारा तमांचा था।

4 जनवरी 2012 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लिए पारित आदेश के सन्दर्भ में भी भ्रान्तियां फैलायी गयीं पश्चिम के हमारे कुछ साथियों ने चन्द ज़िला स्तर के अधिकारियों से सांठगांठ करके एक नई दिशा व नई अधिकारिता निर्मित करने का प्रयास किया और इसका दुष्प्रचार भी खूब किया यह सूचना जैसे ही हमें प्राप्त हुई अविचलित भाव से हमने पूरे सन्दर्भ का गम्भीरता से अध्ययन किया और उसपर कार्यवाही की, हमारे एक ही पत्र ने अधिकारियों को सही रास्ते पर ला दिया और जो सत्य था उसे स्थापित किया। इ स तरह की लड़ाईयां लड़ते हुए हमें आगे बढ़ना है और लक्ष्य प्राप्त करना है, डा0 इदरीसी ने कहा कि वर्ष 2023 ज़्यादा उठापटक वाला नहीं रहा, जो जहां, जैसे था धीरे–धीरे कार्य करता रहा परन्तु जो अपेक्षायें हमने की थीं उसकी प्राप्ति नहीं हुई ख़ैर यह कोई चिन्ता की बात नहीं है लक्ष्य निर्धारित किये जाते हैं और उन तक पहुंचने का पूरा प्रयास किया जाता है और यदि इन प्रयासों से 50 प्रतिशत से ज़्यादा सफ़लता मिल जाये तो इसे लक्ष्य प्राप्ति ही मानना चाहिये।

चूंकि हमारी संस्था उत्तर प्रदेश आधारित है, शिक्षण और प्रशिक्षण का कार्य विधि सम्मत ढंग से बोर्ड उत्तर प्रदेश में ही करता है और यह प्रयास करता है कि बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बन्धित जितने भी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट व स्टडी सेन्टर संचालित हो रहे हैं वह अपना कार्य सुचारू रूप से करें और छात्रों को ऐसी शिक्षा दें जिससे कि वह समाज में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास कर सकें अब वस्तुतः वह समय आ गया है जब कार्य पर ज़ोर देना होगा कभी–कभी हमें कष्ट होता है कि आज़ादी के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की तरह कई अन्य पद्धतियां मान्यता के लिए पंक्ति में थीं उनको तो मान्यता मिल गयी लेकिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता नहीं मिल पायी, इसके लिए प्रयास भी किये गये हैं लेकिन सरकार की तरफ़ से जो कदम उठाये जाने चाहिये वह उठाये तो गये हैं लेकिन पर्याप्त नहीं है।

उत्तर प्रदेश में अभी बहुत कार्य करना है हम चिकित्सकों का आवाहन करते हैं कि जितना प्रयास हम कर रहे हैं वह सिर्फ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करते हुए हमें कार्य का सहयोग दें, हमने हर चिकित्सक से अपेक्षा की थी और यह निर्देश भी दिया था कि प्रदेश में विधि सम्मत ढंग से चिकित्सा व्यवसाय करने के लिए प्रदेश में स्थापित नियमों का पालन करना होगा इसलिए प्रत्येक चिकित्सक को अपने पंजीयन का आवेदन अपने ज़िले के प्रभारी अधिकारी/क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय में कराना होगा, यह सन्देश हर चिकित्सक तक पहुंचे इसके लिए हमने प्रचार के हर माध्यम का प्रयोग किया, जितना हमसे सम्भव हो पाया वह प्रयास किये गये और आज भी किये जा रहे हैं हर जनपद तक हमारे चिकित्सकों को सन्देश मिले इस उद्देश्य से बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने हर चिकित्सक को भली भांति अवगत कराने का प्रयास किया इसीलिए चिकित्सक अधिकारिता जागरूकता अभियान चल रहा है इस अभियान के अन्तर्गत ज़िला/मण्डल स्तर पर सभायें की जा रही हैं चिकित्सकों से सीधे संवाद स्थापित किया जा रहा है, उनको जागरूक किया जा रहा है, जो भ्रांतियां थी उनको दूर करने का प्रयास निरन्तर किया जा रहा है चिकित्सकों में व्याप्त निराशा को दूर करने का यथा सम्भव प्रयास ही नहीं बल्कि पूर्ण रूप से समाधान करने का काम हो रहा है परन्तु इसमें हमें वह सफ़लता नहीं मिल रही है जो वास्तव में मिलना चाहिये, कारणों के तह में जाने के बाद जो कुछ सामने आता है वह हमें यही प्रेरित करता है कि अभी भी जमीनी स्तर तक कार्य करने की आवश्यकता है।

यदि हम यह कार्य संस्कृति प्रभावी कर पाये तो सफ़लता में कोई सन्देह नहीं है किसी भी कार्य को एक निश्चित समय के अन्दर पूरा हो जाना चाहिये क्योंकि सब्र की भी एक सीमा होती है और सीमायें टूटती हैं तो उनके परिणाम गम्भीर ही होते हैं अस्तु जितनी जल्दी हो हम सबको प्रयास करके लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जुट जाना चाहिये, डा0 इदरीसी ने आगे कहा कि हमारी दृष्टि मात्र उत्तर प्रदेश के लिए ही नहीं है हम इसे राष्ट्रीय स्तर पर फलता–फूलता देखना चाहते हैं, इस दिशा में भी हम काम कर रहे हैं सरकार से हम लगातार पत्र व्यवहार कर रहे हैं और सकारात्मक दृष्टि के साथ आगे का रास्ता तय करने का प्रयास कर रहे हैं आज से साढे बारह वर्ष पूर्व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के प्रयासों से भारत सरकार ने 21 जून, 2011 को जो ऐतिहासिक आदेश पारित किया था वह इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के इतिहास में मील का पत्थर है।

इस ऐतिहासिक आदेश ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक आन्दोलन की तसवीर बदल कर रख दी है वर्षों के प्रयासों के बाद हमें जो मिला है वह संजो कर रखने के लिए नहीं मिला है परन्तु इस आदेश का जितना अधिक से अधिक प्रचार किया जाये वह अधिक से अधिक राज्यों में इस आदेश का अनुपालन करवाया जाये क्योंकि यह आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा, शिक्षा व अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त करता है इसलिए इस आदेश को प्रभावी बनाने के लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया प्रतिबद्ध है और यह उम्मीद करती है कि आने वाले दिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए नई दिशा निर्धारित करेंगे, उत्तर प्रदेश सरकार की तरह ही केन्द्र सरकार भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कोई स्थायी और प्रभावी नीति निर्धारित कर देश के लाखों इलेक्ट्रो होम्योपैथों के साथ न्याय करेगी।

अन्त में मैं अपने बोर्ड के सभी साथियों व पदाधिकारियों का हृदय से सम्मान करते हुए प्रदेश की सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथों को नववर्ष की बधाई देता हूँ तथा यह उम्मीद करता हूँ कि पूर्व की भाँति सभी का सहयोग प्राप्त करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

215वीं मैटी जयंती समारोह के मुख्य अतिथि होंगे देश के उपराष्ट्रपति

जयपुर– 11 जनवरी, 2024 को आयोजित होने वाले इलेक्ट्रो होम्योपैथी के सेमीनार को मुख्य अतिथि के रुप में भारत के उप राष्ट्रपति सम्बोधित करेंगे, होटल मौर्य पैलेस में आयोजित इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों के कार्यक्रम में इलेक्ट्रो होम्योपैथी सेमिनार का पोस्टर विमोचन किया गया।

11 जनवरी 2024 को आयोजित होने वाले इलेक्ट्रो होम्योपैथी सेमिनार के पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में पधारे पूर्व केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री माननी राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति पेड़ पौधों पर आधारित होने के कारण सरल एवं प्रभावी चिकित्सा पद्धति है, हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी एम्स जैसे अस्पतालों में आयुष की विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों को एक साथ रोगी की चिकित्सा करने के अवसर प्रदान किये हैं, उन्होंनें कहा कि 2018 में राज्य सरकार के कार्यालय में राजस्थान में इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन एक्ट विधानसभा में पारित होने के बाद भी इस पद्धति के बोर्ड का गठन नहीं करके जनता के साथ धोखा किया है एवं इस पद्धति के विकास को राज्य में अवरूद्ध किया है।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़

श्री राठौर ने कहा कि अब दौर बदल गया है और ऐसी चिकित्सा पद्धतियों के विकास का मार्ग अब और अधिक प्रशस्त होगा, उन्होंने पिछली सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि राजनैतिक दुर्भावनाओं के कारण अनेक कामों को रोक कर रखा गया था, कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय मैमोरियल के सचिव श्री प्रताप भानु सिंह शेखावत ने कहा कि यह पद्धति बहुत ही उपयोगी है तथा इसके गाल ब्लैडर स्टोन पर परिणाम बहुत ही प्रभावी हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष हेमंत सेठिया ने 11 जनवरी को आयोजित होने वाले सेमिनार के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि रीनल डिज़ीज पर इस बार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक अपने अनुसंधान एवं परिणामों को जनता के बीच रखेगें, श्री सेठिया ने यह भी बताया कि इस सेमिनार के उद्घघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में हमारे देश के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनकड़ रहेगें, कार्यक्रम के अंत में एक इलेक्ट्रो होम्योपैथी स्मारिका एवं सेमिनार के पोस्टर का विमोचन उपस्थित अतिथियों के द्वारा किया गया।

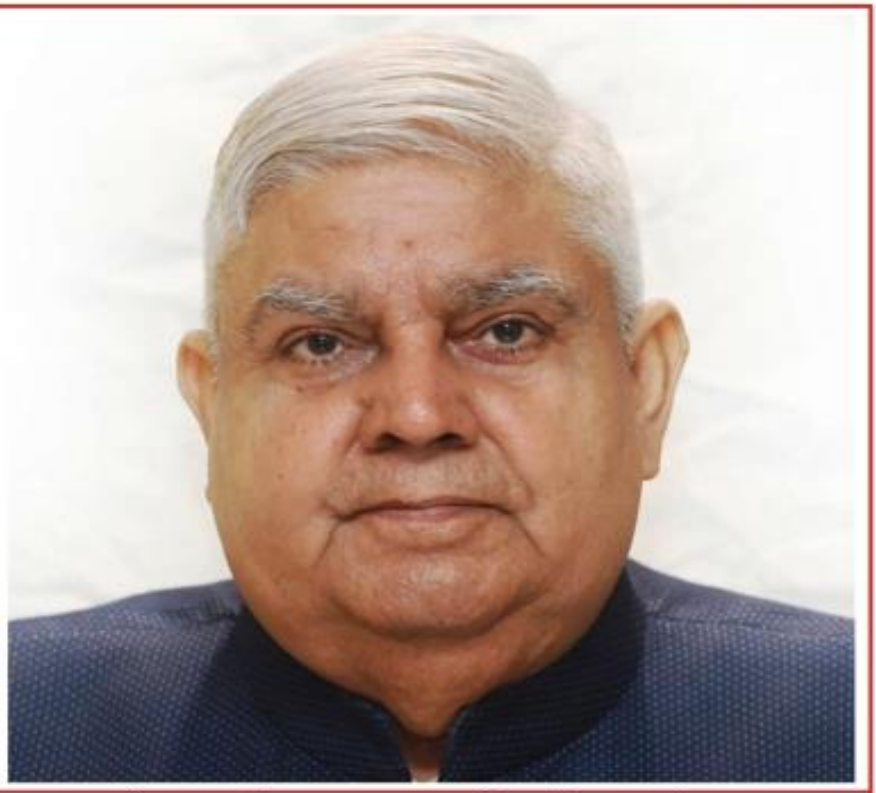

कार्यक्रम के अंत में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक **EH DR.** श्याम सुन्दर पाटोदिया ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सक **EH DR.** रूप किशोर सैनी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

ऐ जाने वाले हो सके तो लौट के आना

लखनऊ– बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के कार्यालय में अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज वर्तमान अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के संस्थापक एवं प्रिंसिपल डा0 राजकुमार कपूर के सम्मान में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें **EH DR.** सैयद तुफैलुर्रहमान– अयोध्या (जिला प्रभारी अधिकारी), बोर्ड की प्रबंध कमेटी के सदस्य **EH DR.** राकेश शर्मा ने डा0 कपूर के व्यक्तित्व पर विस्तार से बताया, दूर दराज से आये हुये चिकित्सको में प्रमुख रुप से **EH DR.** पी0 आर0 धूसिया– बलिया, **EH DR.** मनोज कुमार, **EH DR.** उमेश भ्रद्वाज, **EH DR.** अखिलेश कुमार, **EH DR.** अकरम वारसी, डा0 आसुतोष कपूर, **EH DR.** अखिलेश कपूर श्री अनुज धवन आदि उपस्थित सभी

डा0 आर के0 कपूर के श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित चिकित्सक 2 मिनट का मौन धारण किये हुये।

लोगों ने पुष्प चढ़ाकर व दीप जलाकर स्वर्गीय डा0 आर0 के0 कपूर को भावभीनी श्रद्धांजलि दी जिसमें डा0 अतीक अहमद (रजिस्ट्रार), श्री जफर इदरीसी (वित्त नियंत्रक), श्री मो0 नसीम इदरीसी (लखनऊ कार्याल प्रभारी) व छात्रों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर डा0 अतीक अहमद ने बताया कि डा0 कपूर जी बोर्ड से वर्ष 1982 से जुड़े थे और लखनऊ के जाने माने चिकित्सकों में अपना स्थान रखते थे, बोर्ड से सम्बद्ध इन्सटीट्यूटों में अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट सदैव अग्रिम पंक्ति में रहा करता था।

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–14 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।

JANUARY 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

FEBRUARY 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29		

MARCH 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

APRIL 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

MAY 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

Dr. Count Ceasure Mattei 11th. January, 1809

JUNE 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

JULY 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

AUGUST 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

SEPTEMBER 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

OCTOBER 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

NOVEMBER 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

DECEMBER 2024

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

Un forgettable dates

04 January → Adhikar Diwas

11 January → Mattei Diwas

24 April → Board's Foundation Day

21 June → Vijay Diwas

25 July → EHMAI Foundation Day

04 September → Mattei Nirwan Diwas

30 November → Prerna Diwas

(Dr. N.L. Sinha Jayanti)